ISSN 2454-2725
www.jankritipatrika.in

**सुशांत सुप्रिय की कविता**

## नफ़ीस और मैं और 2014 का चुनावी साल

बाबरी मस्जिद के ध्वंस
या गुजरात दंगों के बावजूद
धर्म-- निरपेक्ष था हमारा देश-
मैं और मेरा मित्र नफ़ीस
यही पढ़तेसुनते हुए बड़े हो रहे थे-

वह सन् 2014 का चुनावी साल था
लुटी हुई हवाओं में अपरिचय की
तीखी दुर्गंध थी

देखतेदेखते-ही-
डर ने एक भयावह शक़्ल
अख़्तियार कर ली थी
उस शक़्ल में से गूँजती थी
तेज़ाबी चिंघाड़ें
जिससे सारी तितलियाँ मर जाती थीं
सारे फूल मुरझा जाते थे

यह जंग हम हार गए हैं --
चुनावपरिणाम की घोषणा-
के बाद उदास हो कर
तुमने कहा था नफ़ीस

वह सन् 2014 का चुनावी साल था
फ़िज़ा में मौत की सड़ाँध फैली हुई थी
और मैं तुम्हारी आँखों में
धर्मनिरपेक्षता की इमारत को-
ढह कर खंडहर बनते हुए देख रहा था ...

ISSN 2454-2725 www.jankritipatrika.in
जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका/ Jankriti International Magazine (बहुभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका/Multilingual International Monthly Magazine)